# भजन

कौन कौन गुण गायें तेरे,
कौन कौन गुण गायें

1–कौन से मुख से गुण तेरे गायें
सब गुण तेरे मन को भायें

2–गुण के भरें है श्री जी मेरे
चरणों के जल से मल मल नहायें

3–श्री जी मेरे दयालु बहुत है
बिन मांगे ही सब कुछ पायें

4–आंख उठा के कोई देख सके न
अपनी अंगना पे बल बल जायें